Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,

बीकानेर - 334 006

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

डा. नरेन्द्र कुमार पारीक
तकनीकी अधिकारी

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./17/ दिनांक 17.11.2017

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 18 नवम्बर 2017 से 22 नवम्बर 2017 तक

मौसमपूर्वानुमानः भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

मौसमकारक		दिनांक				
		18.11.17	19.11.17	20.11.17	21.11.17	22.11.17
1.	वर्षा	**4**	**0**	**0**	**0**	**0**
2.	आसमान में बादलो की स्थिति	बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल
3.	तपमान में वृद्वि / कमी					
	अधिकतम	**21**	**22**	**23**	**24**	**25**
	न्यूनतम	**10**	**10**	**11**	**12**	**13**
4.	वायुदिशा	दक्षिणी	दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी	पूर्वी	पूर्वी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	**100**	**95**	**94**	**96**	**92**
	न्यूनतम	**34**	**32**	**31**	**35**	**36**
6.	औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**2**	**4**	**5**	**5**	**4**
7	कुलवर्षा	**04.00**				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा , कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में दिन व रात के तापमान के कम होने , अत्यधिक आपेक्षिक आर्द्रता के साथ कम गति की हवाएँ चलने , आसमान मे बादल छाये रहने और हल्की वर्षा होने की संभावना है।**
- बारिश होने की संभावना है अतः अपनी कृषि उपज को बेचने के लिए कृषि उपज मंडी आने वाले किसान बारिश की भविष्यवाणी को ध्यान में रखते हुए त्रिपाल, छायादार स्थान की व्यवस्था आदि सावधानियों का ध्यान रखें.
- बारिश होने की संभावना है अतः किसी भी प्रकार के कृषि रसायन का छिड़काव तथा सिंचाई कुछ समय के लिए स्थगित करें. भविष्य के लिए पानी बचाए, अनावश्यक रूप से सिंचाई नहीं करें।
- बारिश होने की संभावना है अतः कटाई करी हुई मूंगफली व अन्य खरीफ फसलों को सुरक्षित स्थान पर रखने की व्यवस्था करें जिससे उपज के नुकसान को कम किया जा सके और उत्पाद की गुणवत्ता अच्छी रहे ।
- गेंहू और जों की बुवाई हेतु नवम्बर के दूसरे सप्ताह से नवम्बर अंत तक का समय उपयुक्त है , जब दिन का तापमान 20 से 25 डिग्री सै. रहे । अतः बुवाई की तैयारी रखे ।
- गेहूं और जौ की बुवाई के लिए खाद , बीज,बीज उपचार के लिए रसायन आदि की व्यवस्था करे। गेहूं की उन्नत किस्मे राज-1482 (भारी मृदाओ के लिए उपयुक्त) , राज-3077 एवं राज-4120 एवं जौ की उन्नत आर डी-2052 , आर डी -2035 (लवणीय एवं क्षारीय मृदाओ के लिए उपयुक्त) एवम आर डी-2715 (दाने व चारे के लिए उपयुक्त)। एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए गेहूं की 100 किग्रा एवं जौ के लिए 80-100 किग्रा प्रति हेक्टर की दर से बीज काम मे लेवें।
- बुवाई के समय गेहूं के लिए 88 किग्रा डीएपी , 100 किग्रा यूरिया तथा 40 किग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के समय प्रयोग करे।
- गेहूं और जौ की बुवाई हेतु बुवाई के समय कार्बेण्डाजिम/वीटावैक्स नामक दवा से 2 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करे। दीमक प्रभावित क्षेत्रो मे 100 किग्रा बीज के लिए 450 मि.ली. क्लोरोपायरीफॉस (20 ई.सी.) या 200 मि.ली. इमिडाक्लोप्रीड (17.8 एस एल) को पाँच लीटर पानी मे घोल बनाकर उपचारित करे ।
- बगीचों में निराई - गुड़ाई करके अनुसंशित मात्रा में जैविक खाद और उर्वरकों का प्रयोग करें ।
- सर्दी का मौसम शुरू हो रहा है. अतः पशुओं को सर्दी से बचाने का उचित प्रबंध करें ।